मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने गुरूवार को हर घर तिरंगा अभियान को लेकर आयोजित कार्यशाला का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर अभियान के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ मौजूद रहे।

# 'देशभक्ति के जज़्बे को कायम रखने का माध्यम है हर घर तिरंगा अभियान'

## मुख्यमंत्री भजनलाल ने तिरंगा अभियान विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यशाला को संबोधित किया

■ **प्रदेश कार्यशाला में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के साथ मध्यप्रदेश भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वी. डी. शर्मा, अभियान के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी, अरुण चतुर्वेदी, राजेन्द्र राठौड़, प्रेमचंद बैरवा ने भी भाग लिया।**

जयपुर, 7 अगस्त। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हर घर तिरंगा अभियान और विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस प्रदेश कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ इच्छा शक्ति एवं निर्णायक नेतृत्व के चलते भारतीय सेना आज विश्व में सबसे मजबूत सेना बनकर उभरी है। इन 11 सालों में देश ने विकास के नए आयाम स्थापित किए और देश के परितर्वन को आज हर भारतीय महसूस कर रहा है। आपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह देशभर में विजयोत्सव मनाया गया, लोगों ने तिरंगा यात्राएं निकालकर सेना के शौर्य को सलाम किया, उसी देशभक्ति के जज्बे को कायम रखने के लिए भाजपा ने हर घर तिरंगा अभियान शुरू किया है। अभियान में भाजपा बूथ, शक्ति केन्द्र, मंडल, जिला और संभाग स्तर पर वृहद कार्यक्रम करेगी।

सांसद एवं मध्य प्रदेश के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष वी डी शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान और विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य हमारी नई पीढ़ी में देश भक्ति के जज्बे को बढ़ाना और आमजन में राष्ट्र प्रथम की भावना को जागृत करना है। भाजपा मंडल एवं शक्ति केन्द्रों के माध्यम से जन-जन और हर घर तक तिरंगा पहुंचा रही है। इसके लिए भाजपा कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक तिरंगा यात्राएं निकालनी होंगी।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं अभियान के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने अभियान की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भाजपा 10 से 14 अगस्त तक मंडल, जिला, संभाग स्तर पर तिरंगा यात्रा निकालेगी। इसके बाद 13 से 15 अगस्त तक घरों-प्रतिष्ठानों पर पार्टी कार्यकर्ता तिरंगा फहराएंगे। 12 से 14 अगस्त तक स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों, युद्ध स्मारकों और स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी महत्वपूर्ण जगहों पर स्वच्छता अभियान चलाएगी।

कार्यक्रम में मंच पर भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, भाजपा उपाध्यक्ष मोतीलाल मीणा, मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा, महामंत्री श्रवण सिंह बागड़ी, संतोष अहलावत, ओमप्रकाश भडाना, प्रदेश मंत्री भूपेन्द्र सैनी, अभियान सह संयोजक महेन्द्र बोहरा उपस्थित थे।

# विशेष जाँच में आठ बोइंग विमानों में हल्की खामियां मिली थीं

नयी दिल्ली, 07 अगस्त। इस साल जून में अहमदाबाद विमान हादसे के बाद विशेष जाँच के दौरान एयर इंडिया के आठ बोइंड-787 विमानों में हल्की खामियाँ मिली थीं, जिन्हें दूर कर लिया गया है।

नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने गुरुवार को लोकसभा में एक तारांकित प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि 12 जून को अहमदाबाद में एयर इंडिया की उड़ान एआई-171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने उसके सभी तैंतीस 787-ड्रीमलाइनर विमानों की जाँच के आदेश दिये थे। इनमें से 31 विमानों की जाँच पूरी कर ली गयी है, जबकि दो विमानों की नियमित समायावधि पर होने वाली जाँच जारी है। उन्होंने बताया कि 31 विमानो की जाँच के दौरान आठ विमानों में छोटी खामियाँ मिली थीं, जिन्हें दूर कर दिया गया है और उन विमानों को उड़ान भरने की अनुमति दे दी गयी है। इसके अलावा, डीजीसीए ने 19 जून को जनरल सेफ्टी सर्कुलर जारी किया था, जिसके तहत पूरे विमानन क्षेत्र की पारिस्थितिकी की जाँच और विमानन सुरक्षा ढ ँचे को मजबूत करने के लिए विस्तृत विशेष ऑडिट होना है।

# उच्चतम न्यायालय ने जस्टिस वर्मा की रिट याचिका खारिज की

## फैसले में कहा गया है कि कार्यवाही के दौरान जस्टिस वर्मा का आचरण विश्वास पैदा नहीं करता

■ **सर्वोच्च न्यायालय की डबल बैंच ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश व आंतरिक समिति ने तस्वीरें व वीडियो अपलोड करने के अलावा पूरी प्रक्रिया का ईमानदारी से पालन किया था।**

नयी दिल्ली, 07 अगस्त। उच्चतम न्यायालय ने कथित नगदी बरामदगी के आरोपों से घिरे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा की रिट याचिका गुरुवार को खारिज कर दी।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए जी मसीह की पीठ ने यह फैसला सुनाया और अपने फैसले में छह प्रश्न तय किए। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 30 जुलाई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

पीठ की ओर से न्यायमूर्ति दत्ता ने फैसला सुनाते हुए कहा कि घटना की जांच के लिए आंतरिक जांच समिति का गठन और उसके द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया गैरकानूनी नहीं थी। आंतरिक प्रक्रिया को कानूनी मान्यता प्राप्त है। यह कोई समानांतर या संविधानेतर व्यवस्था नहीं है। पीठ ने कहा कि कार्यवाही के दौरान न्यायमूर्ति वर्मा का आचरण विश्वास पैदा नहीं करता।

पीठ ने कहा, हमने माना है कि मुख्य न्यायाधीश और आंतरिक समिति ने तस्वीरें और वीडियो अपलोड (शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर) करने के अलावा, पूरी प्रक्रिया का पूरी ईमानदारी से पालन किया था। पीठ ने हालांकि यह भी कहा कि इससे बचा जा सकता था।

अदालत ने आगे कहा, मुख्य न्यायाधीश (शीर्ष अदालत के) द्वारा प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति को पत्र भेजना (पद से हटाने के बारे में) असंवैधानिक नहीं था।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा न्यायाधीश को हटाने की सिफारिश करने से पहले सुनवाई का अवसर न देना किसी भी प्रक्रिया का उल्लंघन नहीं है, क्योंकि ऐसी सुनवाई का अधिकार के रूप में दावा नहीं किया जा सकता।

शीर्ष अदालत ने हालांकि कहा कि तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश (शीर्ष अदालत) और जाँच समिति ने प्रक्रिया का पूरी ईमानदारी से पालन किया, लेकिन 14 मार्च, 2025 की रात को न्यायमूर्ति वर्मा के आवासीय परिसर में नकदी जलाने से संबंधित वीडियो अपलोड करने से बचा जा सकता था।

पीठ ने यह भी कहा कि न्यायमूर्ति वर्मा द्वारा दायर रिट याचिका उनके आचरण को देखते हुए विचारणीय नहीं है, जो विश्वास पैदा नहीं करता।

पीठ ने अपने फैसले में कहा कि अदालत को इस रास्ते पर सावधानी से चलना होगा, ताकि भविष्य की किसी भी कार्यवाही में कोई भी टिप्पणी न्यायाधीश के प्रति पूर्वाग्रह न पैदा करे।

पीठ ने हालांकि यह भी कहा, भविष्य में जरुरत पड़ने पर आपके (न्यायमूर्ति वर्मा) लिए कार्यवाही शुरू करने का विकल्प खुला है।

# नैशनल हैरल्ड मामले में कोर्ट ने ईडी से चार्जशीट पर स्पष्टीकरण मांगा

## राउज़ एवेन्यु कोर्ट ने मामले पर सुनवाई के लिए शनिवार का दिन तय किया है

■ **नैशनल हैरल्ड मामले में ईडी ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी तथा कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को आरोपी बनाया है।**

नई दिल्ली, 7 अगस्त। राउज़ एवेन्यू कोर्ट में गुरुवार को नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई हुई। इस दौरान कोर्ट ने ईडी से चार्जशीट को लेकर स्पष्टीकरण मांगा। अब कोर्ट में शनिवार को सुनवाई होगी।

राउज़ एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दायर आरोप पत्र पर ईडी से कुछ स्पष्टीकरण मांगे हैं।

ईडी ने इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, सांसद राहुल गांधी, दिवंगत कांग्रेसी नेता मोतीलाल वोरा और आस्कर फर्नांडिस के अलावा, सुमन दुबे, सैम पित्रोदा, निजी कंपनी यंग इंडियन और डोटेक्स मर्चेंडाइज प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया है।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने अब शुक्रवार को इस बात पर निर्णय सुना सकते हैं कि क्या ईडी द्वारा मनी लांड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लिया जाए।

अदालत को इस मामले में 29 जुलाई को फैसला सुनाना था, लेकिन विशेष न्यायाधीश ने इसे सात व आठ अगस्त को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करते हुए टाल दिया था। 14 जुलाई को अदालत ने ईडी और आरोपित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था।

ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सालिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने दलील दी थी कि नेशनल हेराल्ड अखबार के प्रकाशक एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड की करीब दो हजार करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को महज 90 करोड़ रुपये के ऋण के एवज में यंग इंडियन द्वारा धोखाधड़ी से अधिगृहीत किया गया।

ईडी का दावा है कि यंग इंडियन में गांधी परिवार की 76 प्रतिशत हिस्सेदारी है, और इसे एजेएल की संपत्तियों को अवैध तरीके से हासिल करने के उद्देश्य से ही बनाया गया था।

ईडी ने यह भी आरोप लगाया था कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) के नाम पर फर्जी ट्रांजैक्शन किए गए हैं। ईडी का कहना है कि यह एक साजिश थी, जिससे सार्वजनिक ट्रस्ट की संपत्तियों को निजी लाभ के लिए इस्तेमाल किया गया।

यह विवाद 2012 में सामने आया था, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने ट्रायल कोर्ट में कांग्रेस नेताओं के खिलाफ धोखाधड़ी और विश्वासघात का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई थी।

# राहुल गांधी ने प्रेस ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

चुनावों में गड़बड़ी हो रही है, लेकिन अब तक पार्टी के पास पक्के सबूत नहीं थे। इस एक महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में हर वोटर की जांच करने में करीब 40 लोगों की टीम को 6 महीने लगे। उन्होंने कहा कि यह तो बस एक उदाहरण है तथा कांग्रेस पार्टी पक्के तौर पर मानती है कि यही पैटर्न पूरे देश में अपनाया गया है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि पूरा विपक्ष लंबे समय से इस बात को लेकर हैरान था कि जब हर लोकतंत्र में सत्ता-विरोधी भावना हर पार्टी के खिलाफ काम करती है, तो भारत में भाजपा पर इसका असर क्यों नहीं होता। उन्होंने यह भी कहा कि नतीजे अधिकांशत: ओपिनियन पोल और एग्ज़िट पोल के उलट आते हैं। कभी सफलता का श्रेय पुलवामा, तो कभी लाडली बहना योजना को दिया जाता था, लेकिन हकीकत यह है कि चुनाव को चुराया और कोरियोग्राफ किया गया। राहुल गांधी ने कहा कि पहले चुनाव एक ही दिन में पूरे देश में बैलेट पेपर से होते थे। अब चुनाव कई महीनों में कराए जाते हैं, जिससे चुनाव प्रक्रिया की नीयत पर शक पैदा होता है।

उन्होंने हरियाणा और महाराष्ट्र के नतीजों को "आश्चर्यजनक" बताया और कहा कि इनके बाद, कांग्रेस को पक्का यकीन हो गया कि कुछ गड़बड़ जरूर है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र में, लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच, एक करोड़ नए वोटर जोड़े गए। उन्होंने कहा, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों की जबरदस्त जीत के कुछ ही महीनों बाद हुये विधानसभा चुनाव में पार्टी का पूरी तरह सफाया हो गया। उन्होंने यह भी बताया कि 5 बजे के बाद अचानक वोटिंग प्रतिशत में बड़ी बढ़त दर्ज की गई, जबकि बूथों पर ऐसी कोई भीड़ नहीं देखी गई। जब चुनाव आयोग से सीसी टीवी फुटेज मांगी गई, तो उसने न सिर्फ इनकार किया, बल्कि नियम बदलकर उसकी रिकॉर्डिंग अवधि को सिर्फ डेढ़ महीने कर दिया गया। उन्होंने दृढ़तापूर्वक आरोप लगाया, "महाराष्ट्र का चुनाव चुराया गया था।" उन्होंने कहा कि "इन सब चीजों से हमें पक्का यकीन हो गया कि चुनाव चुराने के मामले में चुनाव आयोग की भाजपा के साथ साँठ-गाँठ है।

राहुल गांधी ने कहा, चुनाव आयोग लोकतंत्र को बचाने के बजाय, उसे बर्बाद करने का काम कर रहा है। यह भारत के संविधान और तिरंगे के खिलाफ एक अपराध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महादेवपुरा में मिला डेटा इस अपराध का पक्का सबूत है, और यह काम देशभर में हुआ है।

उन्होंने कहा, हमारे लिए वोटर लिस्ट और सीसी टीवी फुटेज अब अपराध के सबूत हैं, और चुनाव आयोग इन्हें नष्ट करने की कोशिश में लगा है। अंत में राहुल गांधी ने देशवासियों से कहा, "मैं चाहता हूं कि देश जाने कि चुनाव आयोग और सत्ताधारी पार्टी द्वारा इस देश के साथ एक आपराधिक धोखाधड़ी की जा रही है।"

# 'प्र. मंत्री मोदी ने मुझे पुतिन को विशेष धन्यवाद देने को कहा है'

मास्को/नई दिल्ली, 7 अगस्त। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने गुरुवार को मास्को में कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा की तारीखें लगभग तय हैं और दोनों देशों के नेतृत्व के बीच वार्षिक शिखर बैठकें द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण मोड़ रही हैं।

डोभाल ने मास्को में रूसी सुरक्षा परिषद के प्रमुख सर्गेई शोइगु के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा, हम रूस के राष्ट्रपति पुतिन की भारत यात्रा के बारे में जानकर बहुत उत्साहित और प्रसन्न हैं। मुझे लगता है कि अब तारीखें लगभग तय हो चुकी हैं। उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ये शिखर बैठकें हमेशा हमारे लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ रही हैं। उन्होंने हमेशा हमारे संबंधों को एक नई दिशा दी है। शोइगु की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए डोभाल ने कहा, आपने बिल्कुल सही कहा है कि हमारे बीच एक बहुत ही विशेष, दीर्घकालिक संबंध

■ **डोभाल पुतिन की भारत यात्रा की तारीख व कार्यक्रमों पर चर्चा करने के लिए मॉस्को गए हुए हैं।**

है, और हम अपनी रणनीतिक साझेदारी को बहुत महत्व देते हैं। हमारे उच्च-स्तरीय संबंध हैं, और इन संबंधों ने हमारे संबंधों में बहुत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डोभाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उनसे पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत को दिए गए समर्थन के लिए रूसी राष्ट्रपति को विशेष रूप से धन्यवाद देने के लिए कहा है। डोभाल ने कहा, मैं रूस और राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद देना चाहता हूँ, और प्रधानमंत्री ने मुझे विशेष रूप से धन्यवाद देने के लिए कहा है। राष्ट्रपति पुतिन ने 22 अप्रैल को भारत पर हुए भीषण आतंकवादी हमले के बाद हमें जो समर्थन दिया था,उसके लिए मैं उन्हें धन्यवाद दूँगा।

# राहुल ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

आरोप लगाए गए हैं कि चुनाव आयोग मतदाता पंजीकरण केन्द्रों के सीसीटीवी फुटेज को पूरी तरह जारी करने से कतरा रहा है, जिसे विपक्ष द्वारा आयोजित गड़बड़ी का प्रमाण माना जा रहा है। जैसे-जैसे तनाव बढ रहा है, कानूनी विशेषज्ञ और पूर्व चुनाव अधिकारी स्वतंत्र जांच की मांग कर रहे हैं। एक सेवानिवृत्त चुनाव आयुक्त ने कहा, अगर आरोप गलत हैं तो चुनाव आयोग को डरने की कोई बात नहीं है। लेकिन अगर वे सही हैं, तो यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को चुनौती है। संसद और सिविल सोसायटी, दोनों के बढते दबाव के चलते, अब सभी की नजरें सुप्रीम कोर्ट पर टिकी हैं कि वह निर्णायक कार्रवाई करे।

# वृंदावन ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

और आनंद के साथ रक्षाबंधन मनाती हैं। पिछले पखवाड़े माँ शारदा आश्रम में एक राखी निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई, जहाँ लगभग एक दर्जन विधवाओं ने उत्साहपूर्वक राखियां बनाई और सजाईं।

# 'मैं जानता हूँ व्यक्तिगत रूप से मुझे बड़ी कीमत चुकानी होगी'

## 'पर अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरों के हितों के साथ मैं कभी समझौता नहीं करूंगा'

■ **प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की टैरिफ लगाने की घोषणा पर करारा जवाब देते हुए कहा।**

नयी दिल्ली, 7 अगस्त। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने व्यापार में भारत के खिलाफ अतिरिक्त आयात शुल्क लगाने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के फैसले के खिलाफ गुरुवार को एक कड़ा और स्पष्ट संदेश देते हुए हुए कहा कि भारत देश के किसानों, पशुपालकों और मछुआरों जैसे कमजोर वर्ग के लोगों के हितों के साथ कभी कोई समझौता नहीं करेगा और वह स्वयं इसके लिए बड़ी से बड़ी कीमत चुकाने को तैयार हैं।

मोदी प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक भारत रत्न स्वर्गीय डॉ एम एस स्वामीनाथन के जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में राजधानी में कृषि विज्ञान पर एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा, ' हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों के, पशुपालकों के, और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। उन्होंने इसी संदर्भ में कहा, ..और मैं जानता हूं व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा कि सरकार देश के किसानों , मछुआरों , पशुपालकों की पूरी मदद के लिए पूरी तरह तैयार है और किसानों की आय बढ़ाने, खेती की लागत कम करने, किसानों की आय के नए स्त्रोत बनाने, इन लक्ष्यों पर सरकार लगातार काम कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारी सरकार ने किसानों की ताकत को देश की प्रगति का आधार माना है। इसलिए बीते वर्षों में जो नीतियां बनीं, उनमें सिर्फ मदद नहीं थी, किसानों में भरोसा बढ़ाने का प्रयास भी था। उन्होंने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि से छोटे किसानों को आत्मबल दिया है। पीएम फसल बीमा योजना ने किसानों को सुरक्षा दी है। पीएम कृषि सिंचाई योजना से सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ। 10 हजार एफपीओ के निर्माण ने छोटे किसानों की संगठित शक्ति बढ़ाई है।

# राहुल ने बैंगलोर साउथ ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

1,00,250 वोट चुराए गए, जिसमें 11,965 डुप्लीकेट मतदाता, 40,009 फर्जी और अवैध पते वाले मतदाता, 10,452 मतदाता जो एक ही पते पर बड़े पैमाने पर रहते थे, 4,132 मतदाता जिनके पहचान पत्र में फोटो नहीं था और 33,692 मतदाता फॉर्म 6 के दुरुपयोग से मतदाता सूची में शामिल किए गए थे।

राहुल ने कहा, "यह कोई गुरकीरत सिंह डांग है। उनका नाम एक ही निर्वाचन क्षेत्र में चार अलग-अलग बूथों पर आता है। हजारों ऐसे उदाहरण हैं। आदित्य श्रीवास्तव कर्नाटक, उत्तर प्रदेश के लखनऊ और कानपुर तथा महाराष्ट्र में वोट करते हैं। ऐसे 11,000 मतदाता हैं जिन्होंने कई बार मतदान किया है।

उन्होंने ऐसे मतदाता कार्ड की स्लाइड भी दिखाई जिनमें हाउस नंबर शून्य लिखा था और पिता के नाम में अक्षरों का असंगठित समूह था।

राहुल ने दावा किया, हाउस नंबर 85, एक एकल कमरे में 80 मतदाता। जब हमारी टीम वहां गई, तो उन्हें मारा गया।

उन्होंने 70 वर्षीय शकुन रानी का भी उदाहरण दिया, जिनके दो बार मतदाता के रूप में पंजीकरण होने का दावा किया गया, पहली बार 13 सितंबर 2023 और दूसरी बार 31 अक्टूबर 2013 को।

राहुल ने कहा, शकुन रानी या कोई भी शकुन रानी होने का नाटक कर रहा है, उसने दो बार वोट किया। चुनाव आयोग ने कहा है कि वे मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज नष्ट कर देंगे क्योंकि वे नहीं चाहते कि हम शकुन रानी के दो बार मतदान करने को पकड़ लें।"

चुनाव आयोग के महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों के सीसीटीवी फुटेज नष्ट करने के फैसले पर सवाल उठाते हुए, विपक्षी नेता ने कहा कि उनके शोध दल ने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट मतदाता, अवैध पते और एक ही पते पर बड़े पैमाने पर प्रविष्टियों का पता लगाया है, जहां कथित तौर पर 1 लाख से अधिक वोट धोखाधड़ी से डाले गए।

उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के नतीजों ने हमारी आशंका को सही ठहराया कि विधानसभा चुनाव चुराया गया था... चुनाव आयोग का मशीन-रीडेबल मतदाता सूची प्रदान करने से इनकार करना हमें बीजेपी के साथ मिलीभगत का संकेत देता है।

राहुल ने कहा कि उनकी, कांग्रेस की और जनता के एक वर्ग की चुनाव संचालन को लेकर शंका इस तथ्य से उत्पन्न हुई कि भाजपा के खिलाफ कोई एंटी-इंकंबेंसी (विरोध) नहीं दिखा।

उन्होंने कहा, एंटी-इंकंबेंसी हर लोकतंत्र में हर पार्टी को लगती है, लेकिन किसी कारणवश भाजपा ऐसी अकेली पार्टी है जिस पर यह लागू नहीं होती।

राहुल के आरोप ऐसे समय में आए हैं जब बिहार में चुनाव आयोग द्वारा विशेष सघन मतदाता सूची संशोधन के तहत कम से कम 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं।

हालांकि चुनाव आयोग ने अभी तक राहुल गांधी के आरोपों पर प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उनके दावों ने भारत में चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को लेकर चिंता बढ ा दी है।

# अयोध्या ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

पर लाने के लिए नावों का सहारा लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर रहे एसडीएम सदर राम प्रकाश तिवारी ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है।

उन्होंने बताया कि राजा दशरथ समाधि स्थल पर ठहरने, भोजन और चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। बावजूद इसके. कुछ लोग अभी भी घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में मौके पर एक चिकित्सक और पशु चिकित्सक की तैनाती कर दी गई है। बढ़ ते जलस्तर के चलते हनुमान गुफा मार्ग, रामघाट चौराहा और राम की पैड़ी पर जलभराव की स्थिति बन गई है। रामघाट के पास एक ई-रिक्शा जलमग्न गड्ढे में फंस गया।

जिला प्रशासन के अनुसार. रुदौली, सोहावल और सदर तहसीलों के कुल 18 गांव बाढ़ से प्रभावित हो सकते हैं। सभी बाढ़ चौकियों को अलर्ट पर रखा गया है और प्रशासनिक अधिकारी लगातार प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं।

# रिजर्व बैंक द्वारा "रैपो रेट"

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

विकास के मोर्चे पर भी संकेत अच्छे हैं। आर.बी.आई. ने 2025-26 के लिए विकास दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा है। यह घरेलू मांग, उत्पादन क्षेत्र की वापसी और निवेश में निरंतरता पर उसके भरोसे को दिखाता है। जब वृद्धि मजबूत बनी हुई है और दरों में पुरानी कटौतियों का असर अभी भी जारी है, तो दरें स्थिर रखना एक समझदारी भरा कदम है।

इस समय दरों में और कटौती की तत्काल ज़रूरत नहीं दिखती। निजी उपभोग अच्छा बना हुआ है, बैंकिंग ऋण की मांग स्थिर है, और टैक्नॉलजी व डेटा आधारित सेवाओं का निर्यात अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

आर.बी.आई. का न्यूट्रल या संतुलित रुख सबसे महत्वपूर्ण संकेत है। इसका मतलब है कि दोनों दिशाओं में (दरें घटाना या बढ ाना) चलने के लिए तैयार है - यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आगे क्या आंकड़े आते हैं। ऐसी दुनिया में जहां हालात तेजी से बदलते हैं, लचीलापन सबसे बड़ी ताकत है।

आर.बी.आई. का रुख साफ है - वह न तो विकास के पीछे भाग रहा है, न ही महंगाई को बहुत तेजी से नीचे लाने की कोशिश कर रहा है। उसकी प्राथमिकता स्थिरता बनाए रखना है और बदलते हालातों के अनुसार धीरे-धीरे कदम उठाना है।

यह सतर्कता उचित भी है। वैश्विक व्यापार में तनाव बढ रहा है, खासकर अमेरिका के भारत के निर्यात पर नए शुल्क लगाने के संकेतों की वजह से, यह भारत के निर्यातकों और विदेशी मुद्रा बाज़ारों के लिए नई अनिश्चितता पैदा कर सकता है। ऐसे में आर.बी.आई. किसी भी आक्रामक कदम की संभावना से बचना चाहता है, ताकि कोई अनचाही गड़बड़ी न हो।

दुनिया भर में तेल की कीमतें, पश्चिम एशिया में तनाव और मुद्रा की अस्थिरता जैसी चिंताएं बनी हुई हैं। ऐसे में दरों को स्थिर रखना यह संकेत देता है कि आर.बी.आई. वैश्विक झटकों के लिए तैयार रहना चाहता है।

ध्यान देने की बात यह है कि आर.बी.आई. ने 2025 में अब तक 100 बेसिस पॉइन्ट्स की कटौती कर दी है, जिसमें जून में की गई एक अप्रत्याशित 50 बेसिस प्वाइंट की कटौती भी शामिल है। इसलिए अभी दरें न घटाना कोई निष्क्रियता नहीं, बल्कि रणनीतिक धैर्य का प्रतीक है - जिससे पहले की कटौतियों का असर पूरी तरह सामने आ सके।

भविष्य में खाद्य कीमतें, मुख्य महंगाई, वैश्विक व्यापार की दिशा और घरेलू खपत आदि की गति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आर.बी.आई. फिलहाल मानता है कि भारत एक अच्छे दौर में है - कम महंगाई, मजबूत विकास और यदि ज़रूरत पडी तो आगे कदम उठाने की गुंजाइश भी।

यह ठहराव है, रुकना नहीं। आर.बी.आई. ने अपने विकल्प खुले रखे हैं। असली संदेश है - हम तैयार हैं, लेकिन तभी कदम उठाएंगे जब ज़रूरत हो।

# नाबालिग ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

किया। सुनवाई के दौरान, पीड़िता ने अदालत को बताया कि अभियुक्त उसे परिजनों को मारने की धमकी देकर साथ ले गया था। इसके बाद वह उसे बाइक पर बैठाकर शाहपुरा ले गया। यहां होटल में अभियुक्त ने उसके साथ तीन बार दुष्कर्म किया और अगले दिन घर के पास के जंगल में ले गया। यहां भी अभियुक्त ने उसके साथ जबरन संबंध बनाए। वहीं बाद में, वहां से पुलिस उसे अपने साथ ले गई।

# उपराष्ट्रपति ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बैठक हुई, जिसमें यह फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। बैठक में नड्डा के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, जदयू के राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह, शिवसेना के श्रीकांत शिंदे, तेलुगु देशम पार्टी के एल श्रीकृष्ण देवरायलु और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन की प्रक्रिया आज से शुरू हो गयी है और नौ सितंबर को मतदान होना है। मतगणना भी इसी दिन होगी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908